Janpath Samachar

सुब्रत रॉय ने कहा, ''अब तक के तक बाजार में सुस्ती के बाद वित्त उतनी तेजी नहीं दर्ज की गई।

टिकर की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल से नए उत्पाद योजना की घोषणा

मुंबई। भारत से फिनांशियल मार्केट डेटा, इनफार्मेशन और एनालिटिक्स के सबसे बड़े प्रदाता टिकरप्लांट लिमिटेड (टिकर) ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित फिनांशियल एनालिटिक्स क्षेत्र में प्रवेश की अपनी योजनाओं की घोषणा की है। इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टिट्यूट (नॉलेज पार्टनर) और धीरुभाई अम्बानी इंस्टिट्यूट ऑफ इनफार्मेशन एंड टेक्नोलॉजी (पार्टनर-टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट) के साथ मिलकर पिछले शनिवार मुंबई में एक दिवसीय सम्मलेन एनालिटिक्स इन मार्केट्स का आयोजन किया गया था। टिकर ने घोषणा की कि इससे निवेशकों और कॉर्पोरेट को वित्तीय बाजारों में कीमतों के उतार-चढ़ाव को समझने में मदद मिलेगी।

इस सम्मलेन में डॉ. सैम पित्रोदा मुख्य वक्ता थे और इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टिट्यूट (आईएसआई) के डॉ. दिगंत मुखर्जी, एनएसई, बीएसई, टारगेट, इनफ़ोसिस, अनामलाई युनिसरसिटी, सेरे लैब्स, आदित्य इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, एचएल इन्वेस्ट्रेड, स्काईमेट, ड्यूश बैंक, हेकेल, रोसन, एडेलवीस, ब्रिजआई२आई, आईरेज, एनएमआईएमएस, दतावल एनालिटिक्स, लिटमास एनालिटिक्स, आईडीएफसी एमएफ और वायकॉम 18 मीडिया जैसी संस्थाओं से करीब 25 वक्ता और केस स्टडी प्रस्तुतकर्ता थे। डॉ. सैम पित्रोदा ने मुख्य वक्ता के रूप में सम्मलेन को संबोधित किया। उन्होंने जीवन और कारोबार में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर जोर दिया और उम्मीद जताई कि भारत में आज जिस तरीके से प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल हो रहा है, उसे बदलने में प्रमुख भूमिका निभायेगा। डॉ. सैम पित्रोदा, जिन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी के साथ मिलकर भारतीय सूचना उद्योग के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाई, प्रद्योगिकी परिवर्तन प्रबंधन में पिता तुल्य माना जाता है।